एम्स में एमपीएस दिवस मनाया

नई दिल्ली, (मैट्रो): अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में आज पांचवां अंतर्राष्ट्रीय एमपीएस दिवस मनाया गया। इस मौके पर एम्स की बाल चिकित्सा आनुवांशिकी विभाग की डा. मधुलिका काबरा ने कहा कि अगर एमपीएस का जल्दी इलाज नहीं किया जाए तो यह एक दुर्लभ और प्राणघातक आनुवांशिक विकार है। भावी संतान में इसकी रोकथाम के लिए जल्दी निदान करवाना अनिवार्य है। एमपीएस के लक्षण बड़ा सिर, मस्तिष्क में द्रव का इकट्ठा होना, हार्ट वाल्व में अपसामान्यताएं, अभिवर्धित यकृत एवं प्लीहा, सुनने में कमी, बार-बार कान से संक्रमण, छोटी कद-काठी, अस्थि जोड़ों की विरूपता, चेहरे के भद्दे लक्षण, आंख के कार्निया को धुंधलाना जिससे दृष्टि में काफी कमी आ सकती है। डा. मधुलिका ने कहा कि इस बीमारी को जागरूकता अभियान से रोका जा सकता है। कार्यक्रम में मौलाना आजाद मेडिकल कालेज के बाल चिकित्सा विभागाध्यक्ष डा. ए.पी. दुबे, लाइसोसोमल स्टोरिज डिस आर्डर स्पोर्ट बशर्ते (एलएसडीएसएस) के अध्यक्ष डा. मनजीत सिंह ने कहा कि एमपीएस जैसी बीमारी का उपचार पूरी तरह संभव है बशर्ते रोगी सही समय पर उपचार करवाए।